Sem-3, Se-302, By- Dr. Shyam Bihari Choudhary
TOPIC- Bad effect of Air Pollution
वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव

Date 22.10.20
Page 2

मस्तिष्क रोग का कारण बनते हैं। प्रदूषित वायु से आँखों में जलन, धुँधला दिखाई देना, सिर-दर्द, मिचली आदि शिकायतें होती है।

2. वनस्पति पर वायु प्रदूषण का दुष्प्रभाव पौधों पर भी पड़ता है। अम्लीय वर्षा, धूम्र कोहरा, कार्बन मोनो ऑक्साइड, सल्फर डाई-ऑक्साइड, फ्लुराइड, ओजोन आदि पौधों की विभिन्न क्रियाओं को प्रभावित करते हैं। वायुमण्डल में अत्यधिक प्रदूषण होने पर पौधों को सूर्य प्रकाश बहुत कम मिल पाता है। अतः उनकी प्रकाश संश्लेषण की क्रिया पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। धूम्र कोहरे के क्षेत्र में पौधों का विकास बहुत कम हो जाता है। मोटर वाहनों से निकलते धुएँ से पौधों की पत्तियों का गिरना, पत्तियों का आकार छोटा होना, फलों का अपूर्ण पक्व अवस्था में गिर जाना आदि प्रभाव पड़ते हैं।

जन्तुओं पर - मनुष्य के समान ही अन्य जन्तुओं पर भी वायु प्रदूषण का प्रभाव पड़ता है। श्वसन क्रिया में विभिन्न प्रदूषक उनके शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। वायु प्रदूषण से छोटे जीव जंतुओं की मृत्यु हो जाती है तथा बड़े जन्तुओं के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ते हैं। फ्लोराइड यौगिक प्रदूषक घास स्थलों में जमा होने पर खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर जाते हैं। प्रदूषण का स्थानीय मौसम पर भी